University in News on 14 June 2024

NBT PAGE 3

LU: बीए एनईपी के वायवा की डेट जारी

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में बीए एनईपी के वायवा की डेट जारी कर दी गई है। बीए एनईपी के छठे सेमेस्टर का वायवा 15 जून को सुबह 9 बजे होगा। छठे सेमेस्टर के माइनर प्रॉजेक्ट का वायवा 15 जून की दोपहर 12 बजे से लिया जाएगा। इस संबंध में समाज कार्य विभाग के एचओडी प्रो.राकेश द्विवेदी ने निर्देश जारी कर दिए हैं। किसी स्टूडेंट को कोई समस्या है तो वह एचओडी से संपर्क कर सकता है।

LU: कर्मचारियों के वर्दी भत्ते का आदेश जारी

■ एनबीटी सं, लखनऊः लखनऊ विवि कर्मचारी परिषद के लंबे संघर्ष के बाद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, चौकीदार, माली एवं सुरक्षा प्रहरी के पद पर कार्यरत नियमित और वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों को वर्दी के नगद भुगतान करने का फैसला लिया गया है। कर्मचारियों को गर्मी और सर्दियों की वर्दी का भत्ता दिया जाएगा। इस संबंध में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिए हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

ट्रांसजेंडरों के अधिकारों की दी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग में बृहस्पतिवार को ट्रांसजेंडर (किन्नर) समुदाय पर आधारित कार्यशाला हुई। इसमें लोगों को किन्नरों के अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए संसद द्वारा बनाए गए अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि डीसी-डीआरसी नीतू भारती ने सभी को किन्नरों के प्रति संवेदनशील रहने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि गुड्डन ने किन्नरों की सामाजिक व मानसिक समस्याओं को सभी से साझा किया। इस मौके पर प्रो. रूपेश कुमार एवं समाज कार्य विभाग के शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

i-NEXT PAGE 5

जलनेति को अपनाएं, सिरदर्द दूर भगाएं

CONCEPT PIC

लखनऊ यूनिवर्सिटी में हुए कार्यक्रम में योगाचार्य ने दी जानकारी

LUCKNOW (13 JUNE): जलनेति के अभ्यास से नाक में जमी गंदगी और श्लेष्मा परत साफ हो जाती है. इसके लिए गुनगुने जल का प्रयोग किया जाता है. जल इतना गुनगुना हो कि व्यक्ति उसको सहन कर सके. जल में एक चुटकी नमक का मिश्रण कर दिया जाता है जो नाक की गंदगी को ढीला कर निकाल देती है. यह जानकारी बुधवार को को लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संकाय में गुरुवार को हठयोग की कार्यशाला में वक्ता अनंत उदय फाउंडेशन के योगाचार्य अर्जुन श्रीवास्तव ने दी. उन्होंने जलनेति का प्रदर्शन करके भी दिखाया.

सावधानी रखना जरूरी

कार्यशाला में बताया कि जलनेति के अभ्यास में सावधानी रखनी चाहिए, नहीं तो दुष्परिणाम भी देखने को मिलते हैं. इसलिए जलनेति का अभ्यास खत्म करने के बाद भस्त्रिका प्राणायाम करना चाहिए, जिससे नाक में रुका जल पूरी तरह निकल जाए. यदि जल नहीं निकलता है तो सिर में भारी पन और दर्द की समस्या हो सकती है. इसके बाद मकर आसन का अभ्यास करना चाहिए. जलनेति प्रमुख रूप से ब्रोंकाइटिस, सर्दी, जुकाम, सिर दर्द में काफी उपयोगी है. शरीर को फिट रखने के लिए सभी लोगों को अनिवार्य रूप से योग करना चाहिए.

महिला कालेज में योग प्रशिक्षण

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महिला पीजी कालेज में गुरुवार से सात दिवसीय योग प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया. प्रिंसिपल निशा गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्राओं के साथ-साथ इच्छुक महिलाएं प्रतिभाग कर सकती हैं. योग प्रशिक्षण सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक महाविद्यालय के कांफ्रेंस हाल में सुबह शालिनी पांडेय देंगी.

HINDUSTAN PAGE 8

ट्रांसजेंडर अधिनियम के महत्व को बताया

लखनऊ। एलयू के समाज कार्य विभाग में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए ट्रांसजेंडर पर्सन्स प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स एक्ट 2020 विषय पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि डीसी-डीआरसी सदस्य और मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर नीतू भारती रहीं। कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय की मुखिया गुड्डन किन्नर नाम बतौर विशिष्ट अतिथि रहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने ट्रांसजेंडर के अधिकार बताए।

JAGRAN CITY PAGE III

'जलनेति के अभ्यास से साफ होती है नासिका की गंदगी'

जासं • लखनऊ : 'जलनेति के अभ्यास से नासिका में जमी गंदगी और श्लेष्मा परत साफ हो जाती है। इसके लिए गुनगुने जल का प्रयोग किया जाता है। जल इतना गुनगुना हो कि व्यक्ति उसको सहन कर सके। जल में एक चुटकी नमक का मिश्रण कर दिया जाता है जो नाक के मल को ढीला कर निष्कासित कर देती है। यह जानकारी बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संकाय में गुरुवार को हठयोग की कार्यशाला में वक्ता अनंत उदय फाउंडेशन के योगाचार्य अर्जुन श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने जलनेति का प्रदर्शन करके भी दिखाया।

कार्यशाला में बताया कि जलनेति के अभ्यास में सावधानी बरतनी चाहिए अन्यथा दुष्परिणाम भी देखने को मिलते हैं। इसलिए अभ्यास समाप्त करने के बाद भस्त्रिका प्राणायाम करना चाहिए,

जलनेति का अभ्यास करके दिखाते योगाचार्य अर्जुन श्रीवास्तव • लवि

जिससे नासिका में रुका जल पूर्णता निष्कासित हो जाए। यदि जल निष्कासित नहीं होता तो सिर में भारीपन तथा दर्द हो सकता है। इसके बाद मकर आसन का अभ्यास करना चाहिए। जलनेति प्रमुख रूप से ब्रोंकाइटिस, सर्दी, जुकाम, सिर दर्द में उपयोगी है।

PIONEER PAGE 3

जलनेति के अभ्यास के पश्चात भस्त्रिका प्राणायाम जरूर करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योग साइंसेज के तत्वाधान में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के क्रम में गुरुवार को हठयोग की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके वक्ता इंडियन योग फेडरेशन की योगाचार्य भावना लोहानी और अनंत उदय फाउंडेशन के योगाचार्य अर्जुन श्रीवास्तव थे। डॉ.अर्जुन श्रीवास्तव ने कार्यशाला में जलनेति का प्रदर्शन करके दिखाया इसकी क्रियाविधि के साथ लाभ तथा सावधानियां के विषय में भी चर्चा की।

उन्होंने बताया की जलनेति के अभ्यास से नासिक में जमी गंदगी और श्लेष्मा परत को साफ कर देती है क्योंकि जलनेति के अभ्यास में गुनगुने जल का प्रयोग किया जाता है। जल इतना गुनगुना हो कि व्यक्ति उसको सहन कर सके। साथ ही जल में एक चुटकी नमक का मिश्रण कर दिया जाता है, जो नाक के मल को ढीला कर निष्कासित कर देती है। यदि जलनेति का अभ्यास सावधानी पूर्वक नहीं किया जाये तो इसके दुष्परिणाम भी देखने को मिलते हैं। इसलिए जलनेति का अभ्यास समाप्त करने के पश्चात भस्त्रिका प्राणायाम करना चाहिए जिससे नासिक में रुका हुआ जल पूर्णता निष्कासित हो जाए। यदि जल निष्कासित नहीं होता तो सिर में भारीपन तथा दर्द उत्पन्न हो सकता है। इसके बाद मकर आसन का अभ्यास करना चाहिए। जलनेति प्रमुख रूप से ब्रोंकाइटिस, सर्दी, जुकाम, सिर दर्द में अत्यधिक उपयोगी है। इंडियन योग फेडरेशन की योगाचार्य भावना लोहानी ने हठ योग के आसन,प्राणायाम और मुद्रा पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया साथ ही हठ योग के सिद्धासन, भद्रासन, सुखासन आसनों का भी प्रदर्शन किया। फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर अमरजीत यादव ने बताया की हठयोग,योग की प्राचीन परंपरा है जिसमें आसन,प्राणायाम,मुद्रा,षट्कर्म समाहित है। जलनेति के अभ्यास से नेत्र शक्ति बढ़ती है तथा इसके अभ्यास से निरंतर होने वाली एलर्जी में लाभ प्राप्त होता है। मस्तिष्क सहित श्वसन संस्थान की शुद्धि होती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर, डॉ रामकिशोर, डॉ रामनरेश, शोभित सिंह व छात्र एवं छात्राएं उपस्थि थे।

ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति भेदभाव को समाप्त कर समाज की मुख्य धारा में स्वीकार करना आवश्यक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शुक्रवार को ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से ट्रांसजेंडर पर्सन प्रोटेक्शन आफ राइट एक्ट 2020 विषय पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीसी-डीआरसी सदस्य/मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर नीतू भारती उपस्थित रही। भारती ने अपने उद्बोधन में ट्रांसजेंडर अधिनियम के बारे में बात की। साथ ही समुदाय के सदस्यों को गरिमा गृह और ट्रांसजेंडर पहचान पत्र जैसी ट्रांसजेंडर की आजीविका की स्थिति को बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न सरकारी योजनाओं के अधिकारों और लाभों के बारे में जागरूक किया।

कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय की मुखिया गुड्डन किन्नर ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने उद्बोधन में कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में आमंत्रित किया जाना उनके लिए अत्यंत ही गौरवपूर्ण क्षण है। अपने जीवन के चुनौतियां एवं समस्याओं को विस्तार पूर्वक बताते हुए समुदाय की विभिन्न सामाजिक एवं मानसिक समस्याओं को सभी के समक्ष साझा किया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्ग के लोगों को ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति भेदभाव को समाप्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा के रूप में स्वीकार करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर जीवन के बारे में अपने विचार और अंतर्दृष्टि साझा करते हुए यह भी बताया कि कैसे हम एक समाज के रूप में आगे आ सकते हैं और ट्रांसजेंडर के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य संदीप ने बताया कि उन्हें शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए, सामाजिक संगठनों, सरकार, और व्यक्तिगत स्तर पर उनका समर्थन और सहयोग आवश्यक है। समुदाय के लोगों को समाज में सम्मानित महसूस कराने और उनके अधिकारों की सुरक्षा करने के लिए शिक्षा, रोजगार, और मेडिकल सुविधाओं तक पहुंच को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, समुदाय के अधिकारों की जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के सामुदायिक और सामाजिक अभियानों की भी बहुत जरूरत है। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों और चुनौतियों के बारे में शिक्षित करना और कानून के तहत उनकी समानता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में ट्रांसजेंडर अधिनियम के महत्व को उजागर करना था। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सार्थक संवाद में शामिल होने, सवाल पूछने और ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दों की गहरी समझ हासिल करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सहानुभूति, सम्मान और समर्थन को बढ़ावा देना है, जो अंततः सभी के लिए अधिक समावेशी और स्वीकार्य समाज की दिशा में काम करता है। कार्यक्रम में किन्नर समुदाय के सदस्य, समाज कार्य विभाग के प्रो. रूपेश कुमार और डॉ. अन्विता वर्मा विभाग के शोधार्थी तथा विद्यार्थी मौजूद थे।

'ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति समाप्त हो भेदभाव'

जासं, लखनऊ : ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में गुरुवार को ट्रांसजेंडर पर्सन प्रोटेक्शन आफ राइट्स एक्ट 2020 विषय पर संवेदीकरण कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि शाहजहांपुर की मजिस्ट्रेट नीतू भारती उपस्थित रहीं।

उन्होंने ट्रांसजेंडर अधिनियम के बारे में चर्चा करके ट्रांसजेंडर की आजीविका की स्थिति को बढ़ाने के लिए भारत सरकार की ओर से शुरू की गई योजनाओं के अधिकारों एवं लाभों के बारे में जागरूक किया। विशिष्ट अतिथि ट्रांसजेंडर समुदाय की मुखिया गुड्डन किन्नर ने अपने जीवन की चुनौतियां और समस्याओं को समक्ष साझा किया। बताया कि समाज के सभी वर्ग के लोगों को ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति भेदभाव को समाप्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा के रूप में स्वीकार करना अत्यंत आवश्यक है। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य संदीप ने बताया कि उन्हें शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए, सामाजिक संगठनों, सरकार, और व्यक्तिगत स्तर पर उनका समर्थन और सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम में विभाग के प्रो. रूपेश कुमार, डा. अन्विता वर्मा व शोधार्थी भी उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 5

हठयोग करता है मस्तिष्क की शुद्धि : डॉ. अर्जुन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योग साइंसेज के तत्वाधान में हठयोग की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें वक्ता के रूप में इंडियन योग फेडरेशन के योगाचार्य और अनंत उदय फाउंडेशन के योगाचार्य उपस्थित थे। योगाचार्य डॉ. अर्जुन श्रीवास्तव ने बताया की जलनेति के अभ्यास से नासिक में जमी गंदगी और श्लेष्मा परत को साफ कर देती है। फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि जलनेति प्रमुख रूप से ब्रोंकाइटिस, सर्दी, जुकाम, सिर दर्द में अत्यधिक उपयोगी है। मस्तिष्क सहित श्वसन संस्थान की शुद्धि होती है, साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। इंडियन योग फेडरेशन की योगाचार्य भावना लोहानी ने हठ योग के आसन, प्राणायाम और मुद्रा पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

किन्नर समाज को सहयोग समर्थन की जरूरत

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीसी-डीआरसी सदस्य/ मजिस्ट्रेट शाहजहांपुरे नीतू भारती उपस्थित रही। उन्होंने ट्रांसजेंडर अधिनियम के बारे में बात करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में जागरूक किया। ट्रांसजेंडर समुदाय की मुखिया गुड्डन किन्नर ने बताया कि उनको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए सामाजिक संगठनों, सरकार और व्यक्तिगत स्तर पर उनका समर्थन और सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम में किन्नर समुदाय के सदस्य, समाज कार्य विभाग के प्रो. रूपेश कुमार और डॉ. अन्विता वर्मा विभाग के शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

लविवि : परीक्षा में पकड़े गए 243 नकलची

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में आयोजित परीक्षा के दौरान 243 नकलची पकड़े गए। केन्द्र प्रभारी ने अनुचित सामग्री और कॉपी जब्त करते हुए प्रशासनिक कार्रवाई की है। लविवि की ओर से गुरुवार को भी तीन पालियों में परीक्षाओं के आयोजन हुए। पहली पाली में आयोजित परीक्षा के दौरान 56 छात्रों के अलावा 58 छात्राएं नकल सामग्री के साथ पकड़ी गई। बड़ी संख्या में मिले नकलचियों की सूचना केन्द्र प्रभारी ने परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी को दी। दूसरी पाली में कोई भी नकल करता नहीं मिला। तीसरी पाली में फिर नकल करते हुए 70 छात्र व 59 छात्राएं पकड़ी गईं। कुल पालियों में 243 छात्र नकल करते पकड़े गए। सभी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की गई है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

ट्रांसजेंडर के लिए चल रही सरकारी योजनाओं से कराया अवगत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में गुरुवार को ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से ट्रांसजेंडर प्रिजिन्स प्रोटेक्शन ऑफ राइट एक्ट, 2020 विषय पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीसी-डीआरसी सदस्य/मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर, नीतू भारती उपस्थित रही। उन्होंने अपने सम्बोधन में ट्रांसजेंडर अधिनियम के बारे में बात की और समुदाय के सदस्यों को गरिमा गृह और ट्रांसजेंडर पहचान पत्र जैसी ट्रांसजेंडर की आजीविका की स्थिति को बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गयी विभिन्न सरकारी योजनाओं के अधिकारों और लाभों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय की मुखिया गुड्डन किन्नर नाम बतौर विशिष्ट अतिथि कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में आमंत्रित किया जाना उनके लिए अत्यंत ही गौरवपूर्ण क्षण है। अपने जीवन के चुनौतियां एवं समस्याओं को विस्तारपूर्वक बताते हुए समुदाय की विभिन्न सामाजिक एवं मानसिक समस्याओं को सभी के समक्ष साझा किया। आपने बताया कि समाज के सभी वर्ग के लोगों को ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति भेदभाव को समाप्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा के रूप में स्वीकार करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही कार्यक्रम में गुड्डन किन्नर ने ट्रांसजेंडर जीवन के बारे में अपने विचार और अंतर्दृष्टि साझा करते हुए यह भी बताया कि कैसे हम एक समाज के रूप में आगे आ सकते हैं और ट्रांसजेंडर के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य संदीप ने बताया कि उन्हें शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए, सामाजिक संगठनों, सरकार, और व्यक्तिगत स्तर पर उनका समर्थन और सहयोग आवश्यक है। समुदाय के लोगों को समाज में सम्मानित महसूस कराने और उनके अधिकारों की सुरक्षा करने के लिए शिक्षा, रोजगार, और मेडिकल सुविधाओं तक पहुंच को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, समुदाय के अधिकारों की जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के सामुदायिक और सामाजिक अभियानों की भी बहुत जरूरत है।

कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों और चुनौतियों के बारे में शिक्षित करना और कानून के तहत उनकी समानता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में ट्रांसजेंडर अधिनियम के महत्व को उजागर करना था। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सार्थक संवाद में शामिल होने, सवाल पूछने और ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दों की गहरी समझ हासिल करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सहानुभूति, सम्मान और समर्थन को बढ़ावा देना है, जो अंततः सभी के लिए अधिक समावेशी और स्वीकार्य समाज की दिशा में काम करता है। कार्यक्रम में किन्नर समुदाय के सदस्य, समाज कार्य विभाग के प्रो. रूपेश कुमार और डॉ. अन्विता वर्मा विभाग के शोधार्थी तथा विद्यार्थी मौजूद थे।